इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

ओडिसी नृत्य

प्रथमा प्रथम वर्ष

प्रायोगिक

पूर्णांकः 100

1. भूमि प्रणाम का अभ्यास।
2. ओडिसी नृत्य के लिये आवश्यक सशब्द व निशब्द व्यायाम का अभ्यास।
3. वक्ष संचालन (5 प्रकार), ओडिसी नृत्य सारिणी प्रथम भाग पुस्तक के अनुसार।
4. असंयुक्त व संयुत हस्त मुद्रा का प्रायोगिक अभ्यास (अभिनय दर्पण के अनुसार)।
5. चौक स्थिति में आधारित एक से दस तक पद साधना।
6. गुरू वंदना पर आधारित श्लोकाभिनय।
7. ताल एकताली को हाथ से ताली देने का अभ्यास।

प्रथमा अंतिम वर्ष

प्रायोगिक

पूर्णांकः 100

1. पिछले पाठ्यक्रम का पूरा अभ्यास।
2. पादसाधना –एक से दस तक त्रिभंगी के साथ अभ्यास।
3. शिरोभेद,दृष्टिभेद,ग्रीवाभेद के मुख्य श्लोक के साथ प्रायोगिक अभ्यास।
4. मंगलाचरण (मंच प्रवेश, भूमि प्रणाम,श्लोकाभिनय एवं सभा प्रणाम) का अभ्यास।
5. राग बसंत में पल्लवी का अभ्यास।
6. तालरूपक को हाथ से ताली देने का अभ्यास।
7. 36 पाद भेद ओडिसी नृत्य सारिणी के अनुसार प्रायोगिक अभ्यास।

मध्यमा प्रथम वर्ष

सैद्धांतिक

समयः 3 घंटे पूर्णांकः – 75

1. ओडिसी नृत्य की संक्षिप्त जानकारी।
2. मंगलाचरण मे भूमि प्रणाम,सभा प्रणाम एवं त्रिखण्डी प्रणाम की जानकार।
3. सभा प्रणाम एवं बटु नृत्य अरसा को मात्रा के साथ लिखने का अभ्यास।
4. निम्नलिखित का अध्ययन–लय, ताल, मात्रा, सम, आवर्तन, चौक, त्रिभंग, अभंग एवं समभंग
5. असंयुत हस्त एवं संयुक्त हस्त भेद का मूल श्लोक सहित (अभिनय दर्पण के अनुसार) अध्ययन।
6. झम्पाताल एवं ताल त्रिपटा को एकगुन,दुगुन मे लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
7. भारतीय शास्त्रीय नृत्यों के नाम व उनसे संबंधित राज्यों के नामों की जानकारी।
8. निम्नलिखित का संक्षिप्त अध्ययन – पादभेद (36 प्रकार) तथा भंगी (ओडिसी नृत्य सारणी प्रथम भाग के अनुसार)।

प्रायोगिक

पूर्णांक–125

1. बटु नृत्य का अभ्यास।
2. असंयुत हस्त एवं संयुक्त हस्त भेद का मूल श्लोक सहित प्रायोगिक प्रदर्शन।
3. ताल त्रिपटा एवं झम्पा को हाथ से ताली देने का अभ्यास।
4. एक ओड़िया गीत पर अभिनय।
5. उत्प्लवन तथा भ्रमरी का प्रायोगिक अभ्यास।
6. सभा प्रणाम एवं बटु नृत्य अरसा को हाथ से ताली देने का अभ्यास।

मध्यमा अंतिम वर्ष

सैद्धांतिक

समयः 3 घंटा पूर्णांकः –75

1. सावेरी पल्लवी अरसा को मात्रा के साथ लिखने का अभ्यास।
2. शिरोभेद,दृष्टिभेद, ग्रीवाभेद के मूल श्लोक का लिखने का अभ्यास।
3. नटन भेद– 'नृत्त', 'नाट्य', एवं 'नृत्य'।
4. 1 से 14 तक असंयुक्त हस्त मुद्राओं के विनियोगों का अभिनय दर्पण के अनुसार अध्ययन।
5. महारी नृत्य एवं गोटिपुआ नृत्य का ज्ञान।
6. निम्नलिखित प्रसिद्ध गुरूओं की जीवनी–

   गुरू केलुचरण महापात्र ,गुरू पंकजचरण दास, गुरू देवप्रसाद दास।
7. ताण्डव का संपूर्ण अध्ययन।
8. जति एवं झूला को मात्रा के साथ लिखने का अध्ययन।

प्रायोगिक

पूर्णांक–125

1. पूर्व कक्षा में सीखे गये 'पल्लवी' के अतिरिक्त एक दूसरा 'पल्लवी'।
2. खण्डी नृत्य का विशेष अभ्यास।
3. जति एवं झूला को हाथ से ताली देने का अभ्यास।
4. एक ओड़िया गीत पर भावनृत्य।
5. 1 से 14 तक असंयुक्त हस्त मुद्राओं का अभिनय दर्पण के अनुसार विनियोग सहित प्रदर्शन।
6. सावेरी पल्लवी अरसा को हाथ से ताली देने का अभ्यास।

विद् प्रथम वर्ष

सैद्धांतिक – प्रथम प्रश्न पत्र

समयः 3 घंटा पूर्णांकः–75

1. ओडिसी नृत्य का क्रमिक विकास/एवं संक्षिप्त इतिहास।
2. उड़ीसा में देवदासी परम्परा का जन्म और मंदिरों में इसका विकास।
3. अभिनय की परिभाषा एवं आंगिक–वाचिक का अध्ययन।
4. ओड़िसी नृत्य की 'वेशभूषा', 'रूपसज्जा' का ज्ञान।
5. निम्नलिखित का संक्षिप्त अध्ययन।
   1. नृत्यनाटिका, 2. दण्ड नृत्य 3. गीत गोविन्द
6. 15 से 28 तक असंयुक्त हस्त मुद्राओं के विनियोगों का अभिनय दर्पण के अनुसार अध्ययन।
7. खेमटा ताल को लिखने का अध्ययन।
8. अभिनय दर्पण के अनुसार मण्डल, उत्प्लवन, भ्रमरी का अध्ययन।

सैद्धांतिक – द्वितीय प्रश्न पत्र

समयः 3 घंटे पूर्णांकः –75

1. निम्नलिखित का ज्ञानः छउ,रसरकेली एवं घुमरा।
2. ओडिसी नृत्य मे महेश्वर महापात्र का योगदान।
3. रस की परिभाषा एवं नवरस का सम्पूर्ण अध्ययन।
4. आचार्य नन्दिकेश्वर एवं 'अभिनय दर्पण' का संक्षिप्त अध्ययन।
5. ओडिसी नृत्य के पांच पर्याय (मंगलाचरण, बटु/स्थायी, पल्लवी, अभिनय, मोक्ष) का अध्ययन तथा उनकी परिभाषा लिखने की क्षमता।
6. अभिनय दर्पण के अनुसार देवहस्तों का अध्ययन।
7. कथक, भरतनाट्यम, मणिपुरी नृत्यों का संक्षिप्त अध्ययन।
8. तालिपि शंकरामरणम पल्लवी का दो अरसा मात्रा के साथ अभ्सास।

प्रायोगिक

पूर्णांक–150

1. खण्डी, गडि, अरसा एवं तिहाई/मात्रा का अभ्यास।
2. दस भंगियों का प्रदर्शन – (ओडिसी नृत्य सारिणी भाग 2 पुस्तक के अनुसार)
3. मंगलाचरण शिववंदना।
4. 'शंकराभर्णम' पल्लवी नृत्य का अभ्यास।
5. दशावतार, मंडल, का प्रायोगिक अभ्यास।
6. जयदेव के 'गीतगोविंद' में से किसी एक गीत पर नृत्य प्रदर्शन।
7. 15 से 28 तक असंयुक्त हस्त मुद्राओं के विनियोगों सहित प्रदर्शन।
8. खेमटा ताल को मात्रा के साथ लिखने का अध्ययन।

विद् अंतिम वर्ष

सैद्धांतिक – प्रथम प्रश्न पत्र

समयः 3 घंटा पूर्णांकः–75

1. मार्गी एवं देशी नृत्यों की जानकारी।
2. जयदेव एवं कवि गोपाल कृष्ण की जीवनी।
3. पांच प्रकार के कटि–कर्माओं–चिन्ना, निक्रूता, रेचिता, कम्पिता एवं उदबचिता (नाट्यशास्त्र के अनुसार) का विवरण एवं उपयोगिता।
4. ओडिसी नृत्य में प्रयुक्त पौराणिक कथाओं पर अध्ययन। (रामायण, महाभारत इत्यादि)
5. अभिनय दर्पण के अनुसार संयुक्त हस्त विनियोगो का अध्ययन।
6. मोहिनी आहम्, कथकलि, कुचिपुड़ी का संक्षिप्त अध्ययन।
7. अभिनय के आहार्थ व सात्विक भेदो का अध्ययन।
8. गुरू गंगाधरप्रधान, मायाधर राउत, महादेव राउत का जीवन परिचय।

सैद्धांतिक – द्वितीय प्रश्न पत्र

समयः 3 घंटे पूर्णांकः 75

1. छऊ एवं क्षत्रिय नृत्य का संक्षिप्त अध्ययन।
2. निम्नलिखित की जानकारी –
   अरसा, ताली, खाली, विभाग, पल्लवी।
3. सप्ततालों के ठेके को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
4. ओडिसी नृत्य में प्रयुक्त होने वाले सभी वाद्यों की जानकारी।
5. नायिकाओं का अध्ययन।
6. दक्षिण ताल पद्धति का अध्ययन।
7. भाव, विभाव, अनुभाव एवं स्थायी भावों का अध्ययन।
8. संचारी भाव का अध्ययन।

प्रायोगिक

समयः 40 मिनट पूर्णांकः– 150

1. सप्तताल को हाथ से ताल देने का अध्ययन।
2. किसी एक श्लोक पर मंगलाचरण।
3. जयदेव रचित दशावतार पर नृत्य प्रदर्शन।
4. ओड़िया चम्पू पर अभिनय प्रदर्शन का अभ्यास।
5. मोक्ष नृत्य का अभ्यास।
6. संयुक्त हस्त विनियोग प्रदर्शन।

कोविद प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र

समयः 3 घंटे पूर्णांकः– 100

1. भारतीय नृत्यों की उत्पति एवं क्रमिक विकास का विस्तृत अध्ययन।
2. ओडिसी नृत्य का इतिहास, विकास एवं पाँच पर्याय का अध्ययन।
3. नाट्यशास्त्र का संक्षिप्त ज्ञान एवं नृत्योपयोगी अध्यायों का विशद अध्ययन।
4. ओड़िया कवि – कवि सम्राट उपेन्द्र भंज व बनमाली का जीवन परिचय।
5. देवदासी, महारी एवं गोटिपुआ की विस्तृत जानकारी।
6. निम्नलिखित की जीवनी और ओडिसी नृत्य में उनका योगदान –
   श्री पंकज चरण दास, देव प्रसाद दास, केलुचरण महापात्र एवं संयुक्ता पाणिग्राही।
7. अभिनय के चार भेद का अध्ययन एवं उड़ीसी नृत्य के संदर्भ में उनकी व्याख्या।
8. उड़ीसा के मंदिरों में नृत्य शिल्प।
9. मार्गी एवं देशी नृत्यों की जानकारी।

द्वितीय प्रश्न पत्र

समयः 3 घंटे पूर्णांकः 100

1. नृत्य से संबंधित सामान्य विषयों पर निबन्ध।
2. पाठ्यक्रम के तालों को विभिन्न लयों में लिपिबद्ध करने का अभ्यास।
3. नृत्य नाटिका की संरचनाः–

(अ) गौतम बुद्ध (निर्माण)।
(ब) ग्लानिसंहार।

प्रायोगिक (मौखिक)

पूर्णांकः– 200

1. मंगलाचरण, सरस्वती श्लोक एवं जगन्नाथ श्लोक।
2. पल्लवी।
3. अभिनय– 1. एक अष्टपदी/ओडिसा/ एक चंपु।
4. ओडिसी के तालों में 'अरसा', 'खण्डी' और 'गडि' का प्रदर्शन एवं नवरस का अभिनय।
5. अभिनय चंद्रिका' के अनुसार पादभेद का अभ्यास।
6. नवग्रह हस्तो का प्रायोगिक अभ्यास।

(मंच प्रदर्शन)

पूर्णांकः–100

1. दर्शकों के समक्ष विद्यार्थी द्वारा मंच प्रदर्शन।

कोविद अंतिम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र

समयः 3 घंटे पूर्णांकः 100

1. करण एवं अंगहार की परिभाषा तथा 10 करण एवं 05 अंगहारो का अध्ययन।
2. अभिनय चंद्रिका व नाट्य मनोरमा ग्रंथों का संक्षिप्त अध्ययन।
3. दशावतार हस्तों का अध्ययन।
4. ओड़ीसी ताल पद्धति का अध्ययन ।
5. लोकधर्मी एवं नाट्यधर्मी का अध्ययन।
6. हिंदुस्तानी एवं दक्षिण भारतीय तालपद्धति
7. नवधा भक्ति का अध्ययन।
8. बांधव हस्त का अध्ययन।

द्वितीय प्रश्न पत्र

समयः 3 घंटे पूर्णांकः 100

1. नृत्य से संम्बधित सामान्य विषयों पर निबंध।
2. पाठ्यक्रम के तालों की तालिलिपि।
3. नृत्य नाटिका– ओम नमः शिवाय, शकुन्तला।

कोविद अंतिम वर्ष
(प्रायोगिक)

प्रायोगिक – (मौखिक) पूर्णांक–200

1. अष्टनायिकाओ पर भाव प्रदर्शन ।
2. शुद्ध नृत्य कोणार्ककांति ।
3. दो पल्लवी।
4. अभिनय –एक ओडिसी, एक छान्द।
5. दशावतार हस्त व बांधव हस्त प्रदर्शन।

प्रायोगिक – (मंचप्रदर्शन)

पूर्णांक–100

1. दर्शको के समक्ष विद्यार्थी द्वारा मंच प्रदर्शन।